**सफलता की कुंजी**

इंसान के अंदर जो
समा जाए
वह स्वाभिमान
और जो इंसान के
अंदर से बाहर
छलक जाए व अभिमान

सच कहने की ताकत

# जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

**अनमोल विचार**

सबसे बड़ा धर्म है
अपने स्वभाव के प्रति
सच्चे होना।
स्वयं पर विश्वास करो।
-स्वामी विवेकानंद

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 16 JANUARY TO 22 JANUARY 2020 • VOLUME-21 • PAGES-4 • RATE-3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

# अपने आप तो हम कोई काम नहीं करते जो भी करते है कोर्ट की फटकार के बाद ही करते है







फुटओवर ब्रिज न होने के कारण मजबूरन लोगों को मौत के मुंह में धकेल रहे विभाग के भ्रष्ट अधिकारी।

रिहाईशी इलाके के लोगों द्वारा सड़क पार करने के लिए अवैध तरीके से बनाया गया फुटओवर ब्रिज की तस्वीरें।

■ जालंधर से विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

जालंधर ब्रीज द्वारा कई बार अपने पिछले अंकों में प्रमुख राजमार्गों पर गलत तरीके से हो रही पैडीस्ट्रीयन और टू व्हीलर व्हीकल रोड क्रासिंग को रोकने के लिए आवाज बुलंद की गई जिसका असर आप को जालंधर पठानकोट रोड पर लग रही ग्रिलों से अहसास हो जायेगा।

पिछले दिनों परन्तु लोक अदालत कपूरथला की जज द्वारा जालंधर फगवाड़ा राजमार्ग पर हो रहे हादसों को लेकर चिंता प्रकट की गई थी जिस पर उसने कड़ा संज्ञान लेते हुये ठेका प्राप्त कंपनी को कड़ी फटकार लगाते हुये यह आदेश दिया कि जब तक ठेका प्राप्त कंपनी राष्ट्र राजमार्ग पर चल रहे यात्रियों की सेफ्टी के लिये अपने द्वारा की गई त्रुटियों को दूर नहीं करती तो एक हफ्ते के लिए वो टोल की वसूली नहीं कर सकती पर अपनी ताकत के बलबूते पर विभाग द्वारा इस आदेश पर स्टे ले लिया और इसके बाद हाईकोर्ट में एफीडेविट दिया कि वो हर तरह से यात्रियों की सेफ्टी के लिये उचित कदम उठायेंगे जिसका असर देखने को मिला और पी ए पी से फगवाड़ा तक पैडीस्ट्रीयन रोड क्रोसिंग को रोकने के लिये जीआई लोहे की ग्रिलों को लगाया और पुख्ता यूनिवर्सिटी के बाहर फुटओवर ब्रिज बनाया गया और उसके बिल्कुल बाहर सैंटर वर्ज पर तार भी बांधी गई परन्तु जितनी फटकार थी उतना ही काम किया लेकिन पी ए पी से लेकर विधीपुर तक जो किसी समय चाईचारा हुआ करता था जिस को कि बाद में नैशनल हाईवे का दर्जा दे दिया गया था और इसके दोनों तरफ सरकार और प्राईवेट कालोनाइजरों द्वारा रिहायशी प्रोजैक्ट विकसित कर दिए गए परन्तु यहां लोगों की जिंदगी से आज भी खिलवाड़ हो रहा है कोई यहां पर पैदल रोड क्रोसिंग या व्हाईकल रोड क्रोसिंग को रोकने के लिए कोई ग्रिलें नहीं लगाई और ना ही कोई फुटओवर ब्रिज बनाये गये और जहां पर प्रोविजन दिये गये वहां पर सड़क के किनारे बना कर जंग लगने के लिए छोड़ दिया।





कोर्ट की फटकार के बाद लवली प्रोफैशनल यूनिवर्सिटी के बाहर नैशनल हाईवे द्वारा पैदल रोड क्रोसिंग को रोकने के लिए किए गए प्रबंध की तस्वीरें।

विभाग के भ्रष्ट अफसरों का तो यह हाल है कि अपने आप तो कोई काम नहीं करते है जो भी करते है।

कोर्ट की फटकार के बाद ही करते है इससे विभाग यह संदेश देना चाहता है कि हमारे पास ना आओ सीधा कोर्ट जाओ और विभाग के खिलाफ जनहित याचिका दायर करो और अगर कपूरथला की जज की तरह कोई सुनवाई करेगा तो फिर इन सबका हल होगा।

# जालंधर में तो तालाब की मछलीयां है परन्तु समुंदर का मगरमछ तो लुधियाना का रहने वाला है

## अवैध इमारतों को बनवाने के सरगना पर पैनी नज़र बनाये सरकार

■ जालंधर से नीरज की विशेष रिपोर्ट

पंजाब देश के सभी राज्यों में से किसी समय रहने के लिये व्यापार करने के लिये और कृषि के मामले में देश का पसंदीदा और चहकता वाला राज्य गिना जाता था परन्तु इस पंजाब को भ्रष्ट अफसरों ने अपने चंद पैसों के लालच की वजह से जो उसकी कुदरती रूप से उसकी वेश भूषा को ऐसी ठेस पहुंचाई कि इसकी प्राकृतिक खूबसूरती को बदल कर कंक्रीट का जंगल बना दिया। हिन्दोस्तान में विदेशी कंपनीयों का प्रभाव सन 1990 में पड़ा और यहां विदेशी कंपनियों ने बड़े औद्योगिक शहर जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली में अपने पैर पैसारने शुरू किये जिसकी सुहानू धीरे-धीरे छोटे राज्यों से होते हुए पंजाब तक भी पहुंच गई परन्तु इस खुशबू को बदबू में कुछ भ्रष्ट अफसरों ने बदल दिया इसका मुख्य कारण जब विदेशी कंपनीयों द्वारा इन छोटे राज्यों में पैर पैसारे गये तो रियल स्टेट सेक्टर में तेजी का दौर आया उस दौरान भ्रष्ट अफसरों ने कुछ प्राईवेट फाईनांसरों के साथ मिल कर अवैध कालोनीयों, अवैध कमर्शियल इमारतों का खेल शुरू किया और इस से शहर को कंक्रीट के जंगल का रूप दे दिया और इस चीज की लत पहले लुधियाना शहर से शुरू होते हुये जालंधर अमृतसर तक के भ्रष्ट अफसरों को भी लग गई। इन सभी अफसरों को पंजाब में भी फैक्टर के नाम से जाना जाने लगा जिसमें कुछ तो अक्ल वाले अफसर तो करोड़पती बनकर रिटायर हो गये और कुछ भी अक्ल वाले मशहूर भ्रष्ट अफसर चंडीगढ़ में तैनाती के बाद पूर्व निकाय मंत्री द्वारा डिसमिस कर दिया गया पर इन सब के बाद इनका सरगना बन गया लुधियाना में रहने वाला एक भ्रष्ट अफसर जिस को पंजाब के लोकल बाडी विभाग में अवैध बिल्डींगे बनवाने का बेताज बादशाह कहा जाता है। इस भ्रष्ट अफसर को इसके साथी अफसर भी पसंद नहीं करते उसका कारण है कि किसी भी रिश्वत के लेन देने में यह किसी को भी शामिल नहीं करता और अपनी मर्जी और अपने हिसाब से ही उनको उनका हिस्सा देता है अगर कोई अफसर उसके खिलाफ आवाज बुलंद करने की कोशिश करता है तो भी वह अपनी विजिलैंस विभाग में अच्छी सैटिंग होने के कारण विजिलैंस से दबाव बना कर उसको दबा लेता है।

इस भ्रष्ट अफसर की जिस जिस शहर में तैनाती रही है उस शहर की निगम का कमिश्नर इसकी गाड़ी में ही दफ्तर आया जाया करता है। इस भ्रष्ट अफसर के घर पर पिछले दिनों इन्कम टैक्स ने भी रेड किया था जिस कारण इसका नाम पंजाब में काफी चर्चा में आया था परन्तु इस भ्रष्ट अफसर ने अपने भ्रष्टाचार के पैसों से इतनी पहुंच बना ली कि यह किसी भी चीज को कुछ घंटों में मैनेज कर लेता है इसके पीछे पंजाब के एक रसूखदार मंत्री का भी हाथ बताया जाता है अगर वाकय में सरकार अवैध बिल्डिंगों के खिलाफ सख्त है तो इसके सरगना के ऊपर पैनी नजर बनाये और इसके द्वारा बनाई जा रही अवैध इमारतों की उसारी को रोकने के लिए इसके नंबर ट्रैसिंग पर लगाये और सबूत इकट्ठे करके इसके खिलाफ करप्शन एक्ट के अधीन इस पर मुकदमा चला कर ऐसे भ्रष्ट अफसरों को सलाखों के पीछे भेजे और इसकी बेनामी संपत्ति का पता लगा कर अपने कब्जे में लें।



**इस भ्रष्ट अफसर को इसके साथी अफसर भी पसंद नहीं करते उसका कारण है कि किसी भी रिश्वत के लेन देने में यह किसी को भी शामिल नहीं करता और अपनी मर्जी और अपने हिसाब से ही उनको उनका हिस्सा देता है अगर कोई अफसर उसके खिलाफ आवाज बुलंद करने की कोशिश करता है तो वो यह अपनी विजिलैंस विभाग में अच्छी सैटिंग होने के कारण विजिलैंस से दबाव बना कर उसको दबा लेता है।**

# निर्भया गैंगरेप: दोषियों को 22 जनवरी को फांसी मुश्किल

## दया याचिका पर फैसले के बाद मिलेगा 14 दिन का वक्त

■ नई दिल्ली/ ब्यूरो

निर्भया गैंगरेप केस में फांसी की सजा पाए दोषी मुकेश कुमार ने ट्रायल कोर्ट के डेथ वॉरंट को रद्द करने की मांग की है। उसकी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस मनमोहन और जस्टिस संगीता धींगरा की बेंच सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान दिल्ली एएसजी और दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि निर्भया के दोषियों को 22 जनवरी को फांसी नहीं दी जा सकती है। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को फटकार भी लगाई है। मुकेश की ओर से वरिष्ठ वकील रिबेका जॉन ने कोर्ट में दलील दी कि 7 जनवरी को ट्रायल कोर्ट की ओर से पारित



आदेश अभी तक तामिल नहीं हो सका है। अगर हम 18 दिसंबर के आदेश पर दया याचिका दायर करने के लिए 7 दिन का नोटिस देते तो 25 दिसंबर को यह समाप्त हो जाता। लेकिन एमिकस को दोषी से मिलने की अनुमति 30 तारीख को दी गई।

बता दें कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने मुकेश की क्यूरेटिव याचिका खारिज कर दी थी। इसबीच, निर्भया की मां आशा देवी ने कहा कि दोषी जो चाहे कर ले, लेकिन इस केस में सब कुछ साफ है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से कुछ छिपा नहीं है। उम्मीद है कि मुकेश की मांग खारिज होगी।

# थल सेना प्रमुख ने पाक, चीन सीमाओं पर तैनात सैनिकों को हर समय सतर्क रहने को कहा

■ नई दिल्ली/ ब्यूरो

थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने चीन, पाक की सीमाओं पर तैनात और कश्मीर में छद्म युद्ध से मुकाबला कर रहे सैनिकों को चौबीस घंटे सतर्क रहने को कहा. इसके साथ उन्होंने जवानों को भरोसा दिलाया कि उनकी विभिन्न जरूरतों को किसी भी कीमत पर पूरा किया जाएगा।

उन्होंने सेना दिवस की पूर्व संध्या पर 13 लाख कर्मियों वाले बल को दिए अपने संदेश में कहा कि भारतीय सेना ने राष्ट्र के मन में एक विशेष स्थान बनाया है और यह केवल एक लड़ाकू संगठन या राष्ट्रीय शक्ति का औजार नहीं है।

उन्होंने कहा, यह देश की एक मूल्यवान संस्था भी है। हमें अपने मूल्यों, आचार और अपने नागरिकों द्वारा जताए गए भरोसे को बनाए रखने के संकल्प में दृढ़ बने रहना है। उन्होंने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के तहत सैन्य मामलों का विभाग बनाने के सरकार के फैसले को एक फलदायक कदम बताया जिससे तीनों सेनाओं के बीच अधिक समन्वय होगा। थल सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना की प्राथमिक जिम्मेदारी शीर्ष स्तर की तैयारियां बरकरार रखना है. उन्होंने सभी कर्मियों, खासकर पाकिस्तान, चीन की सीमाओं और सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करने वाले जवानों, से कहा कि वे हर समय सतर्क रहें। उन्होंने छद्म युद्ध की



जटिल चुनौती का मुकाबला करने वाले जवानों को भी सतर्क करने को कहा. जनरल नरवणे ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपकी परिचालन साजोसामान संबंधी जरूरतों को हर कीमत पर पूरा किया जाए. उन्होंने कहा कि सेना ने उभरते खतरों से निपटने के लिए सैद्धांतिक अनुकूलन और क्षमता वृद्धि की दिशा में कई कदम उठाए हैं। सैन्य मामलों के विभाग के गठन पर उन्होंने कहा कि इससे नागरिक-सैन्य तालमेल में वृद्धि होगी, रणनीतिक परिणामों की उत्पादकता बढ़ेगी और तीनों सेनाओं के बीच अधिक से अधिक समन्वय हो सकेगा।

अंचित

महान उपलब्धियां हासिल करने में समय लगता है। जो उपलब्धि जल्दी हासिल हो जाती है, बेशक महत्व तो उसका भी होता है, लेकिन वह महान उपलब्धि नहीं होती है।

■ विदुर

www.jalandharbreeze.com

साप्ताहिक
16 से 22 जनवरी 2020
जालंधर ब्रीज

दखल

# बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियां

पिछले साल अर्थव्यवस्था में जिस तरह मंदी की शुरुआत हुई, बैंक घोटाले हुए, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के डूबने का संकट गहराया, इन सब घटनाओं ने लोगों के मन में अर्थव्यवस्था को लेकर संदेह पैदा किया है। पंजाब एवं महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक के घोटाले से सहकारी बैंकों से भी आम जनता का भरोसा डिगा है। सरकार सुधार के प्रयास कर रही है, असर भी दिखा है। उम्मीद है कि जल्द बैंकों में बदलाव की किरण नजर आएगी।

**सरकार** और भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुछ महीनों में कई कदम उठाए हैं, लेकिन अभी तक इनके अपेक्षित परिणाम नजर नहीं आए हैं। जाहिर है, वित्तीय क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए एक नहीं, कई सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत बनी हुई है। पिछले साल अर्थव्यवस्था में जिस तरह मंदी की शुरुआत हुई, बैंक घोटाले हुए, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के डूबने का संकट गहराया, इन सब घटनाओं ने लोगों के मन में अर्थव्यवस्था को लेकर संदेह पैदा किया है। पंजाब एवं महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) के घोटाले से सहकारी बैंकों से भी आम जनता का भरोसा डिगा है। बैंकिंग क्षेत्र में सुधार की कवायद के तहत शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए ऋण देने की शर्तों को सख्त बनाने का प्रस्ताव है। मसौदे के अनुसार बैंक अपने कुल ऋण का आधा हिस्सा ही व्यक्तियों और समूहों को भविष्य में ऋण के रूप में दे सकेंगे। इन बैंकों द्वारा दिए जाने वाले कुल ऋण में से कम से कम आधा ऋण 25 लाख रुपए प्रति उपभोक्ता से अधिक नहीं होगा। साथ ही, उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र के लिए ऋण लक्ष्यों को बढ़ाना होगा।

प्रस्तावित बदलाव यूसीबी बैंकों को 31 मार्च-2023 तक लाने होंगे। रिजर्व बैंक का कहना है कि नए नियमों से यूसीबी किसी व्यक्ति या फिर समूह को ज्यादा ऋण देने के जोखिम से बचेंगे और वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को हासिल करने में उन्हें आसानी होगी। नए प्रावधानों के तहत यूसीबी को प्राथमिकता क्षेत्र को कुल उधारी का 75 फीसद ऋण देना होगा, जो फिलहाल 40 फीसद है। इसे मार्च 2021 तक 50 फीसद, मार्च 2022 तक 60 फीसद और मार्च 2023 तक 75 फीसद करना होगा। अर्थिकी का एक बड़ा संकट गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नादी संकट के रूप में सामने आई है। एनबीएफसी में सुस्ती की मुख्य वजह उत्पादों की घटती मांग और बाजार में पूंजी की अनुपलब्धता रही है। इस बात का खुलासा रिजर्व बैंक के एक अनुसंधान में हुआ है। एनबीएफसी पर मुख्य रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र में संकट और परिसंपत्ति-देनदारी के बेमेल के कारण दबाव है। वैसे, वित्त मंत्रालय के अनुसार एनबीएफसी की वित्तीय स्थिति में सुधार हो रहा है।

आंकड़ों के अनुसार एनबीएफसी को बैंकों की उधारी सितंबर 2018 और सितंबर 2019 के बीच 17.5 फीसद बढ़ी है। इनमें से 107 बड़ी एनबीएफसी, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 67 फीसद है की उधारी 31 फीसद बढ़ी है। आवास वित्त कंपनियों यानी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (एचएफसी) पर नकारात्मक असर भी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय रहा है। मुख्य रूप से नौ बड़ी आवास वित्त कंपनियां इसकी चपेट में आई हैं, जिनकी परिसंपत्ति का आकार सितंबर 2018 के 2.94 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 26 फीसद घट कर नवंबर 2019 में 2.17 लाख करोड़ रुपए रह गया। भारत में कुल 101 एचएफसी हैं, जिनमें से सात ने परिचालन का लाइसेंस मिलने के बाद कारोबार शुरू नहीं किया है। परिचालन वाली 94 एचएफसी में से 76 को बैंकों, एनएचबी और बाजार से ज्यादा वित्तीय सहायता मिला है, वहीं 18 अग्रणी एचएफसी की उधारी 65 हजार 595 करोड़ रुपए घटी है। एक और बड़ी चिंता एनबीएफसी में गैर निष्पादित परिसंपत्तियां यानी एनपीए बढ़ने से जुड़ी है।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी क्षेत्र का सकल फंसा कर्ज (जीएनपीए) वित्त वर्ष 2019 में बढ़कर 6.1 फीसद पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2018 में 5.3 फीसद था। वित्त वर्ष 2020 की पहली छमाही में इसमें और गिरावट आई है, क्योंकि इस अवधि में जीएनपीए में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा एनबीएफसी के मुनाफे में कमी बता रही है कि इन कंपनियों के सामने संकट गंभीर है। रिजर्व बैंक के अनुसार वित्त वर्ष 2019 में एनबीएफसी के लाभ में कमी की मुख्य वजह उधार नहीं लेना रहा है। बैंकिंग क्षेत्र में सबसे बड़ा संकट धोखाधड़ी से जुड़े मामले बढ़ने का रहा है। व्यावसायिक बैंकों के ग्राहकों से लेकर आवास वित्त कंपनियों और एनबीएफसी तक में धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं। रिजर्व बैंक ने सालाना रिपोर्ट 'बैंकिंग क्षेत्र का रुझान एवं प्रगति' में कहा है कि धोखाधड़ी के मामलों में 15 फीसद और इनसे संबंधित रकम की मात्रा में 74 फीसद का इजाफा हुआ है। रिजर्व बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 में बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी के 6801 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि वित्त वर्ष 2017-18 में यह आंकड़ा 5916 था। धोखाधड़ी से संबंधित रकम सालाना आधार पर 41 हजार 167 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़ कर 71 हजार 543 करोड़ रुपए दर्ज की गई।

रिजर्व बैंक के अनुसार बड़ी राशि के घोटाले लंबे अंतराल के बाद सामने आते हैं। इस वजह से बैंकों द्वारा दर्ज धोखाधड़ी के मामलों की संख्या के साथ-साथ इनसे संबंधित रकम में वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान तेजी दर्ज की गई। इससे परिचालन जोखिमों के प्रबंधन में असफलता का पता चलता है। बैंक के मुताबिक कुल धोखाधड़ी मामलों में निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों की भागीदारी 30.7 फीसद और 11.2 फीसद रही, जबकि धोखाधड़ी से संबंधित रकम में इनका योगदान 7.7 फीसद और 1.3 फीसद रहा। हालांकि राहत की बात यह है कि बैंकों के फंसे कर्ज में मामूली बेहतर हुई है। रिजर्व बैंक का कहना है कि आगामी महीनों में फंसे कर्ज में और कमी आएगी। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता की वजह से इस साल फंसे कर्ज की वसूली में तेजी आई। बैंकिंग क्षेत्र का सकल एनपीए अनुपात मार्च 2018 के 11.2 फीसद से घट कर मार्च 2019 में 9.1 फीसद रह गया। मौजूदा समय में वृद्धि में नरमी और कर्ज उठाव कम होने के साथ ही डिफ़ॉल्ट चूक के मामले और धोखाधड़ी की घटनाओं से बैंक कर्ज देने से हिचक रहे हैं। रिजर्व बैंक का कहना है कि सुस्त आर्थिक हालात और खासतौर पर घरेलू आर्थिक गतिविधियों में नरमी ने जोखिम वहन करने की क्षमता को प्रभावित किया है और उधारी की मांग कम हुई है। हालांकि परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार और बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा शुरुआती अवस्था में है और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पूंजी अनुपात सरकार द्वारा बैंकिंग क्षेत्र में पूंजी डालने से बढ़ा है। इतना ही नहीं, वित्त वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में कम प्रावधान की जरूरत के कारण मुनाफे में बढ़ोतरी हुई। दिवालिया संहिता होने के बावजूद एनपीए की समस्या बनी है।

बैंकों में धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ने से उनकी मुश्किलें बढ़ी हैं। बैंकों को अभी न केवल नियामकीय मानदंडों को पूरा करने के लिए, बल्कि बैलेंस शीट दुरुस्त करने के लिए भी पूंजी की सख्त जरूरत है। बहरहाल, रिजर्व बैंक द्वारा उठाए जाने वाले कदमों से शहरी सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली व वित्तीय स्थिति में बेहतरी आने की संभावना है। रिजर्व बैंक के अनुसार सरकारी बैंकों के विलय से अर्थव्यवस्था को को भी फायदा होने की उम्मीद है। सुरक्षित बैंकिंग प्रणाली विकसित करने व एनबीएफसी क्षेत्र को मजबूत करने से अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक, बैंकों और एनबीएफसी में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि नए साल में बैंकिंग प्रणाली को मजबूत करके ही अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

■ सतीश सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

# शिक्षा संस्थानों की फिक्र करें

देश के 208 अकादमिक विद्वानों ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि लेफ्ट विंग के लोग शिक्षा के माहौल को खराब कर रहे हैं। स्टूडेंट पॉलिटिक्स के नाम पर वामपंथी एजेंडे को आगे बढ़ाया जा रहा है। जो भी हो, शैक्षिक संस्थानों में राजनीति बंद होनी चाहिए।

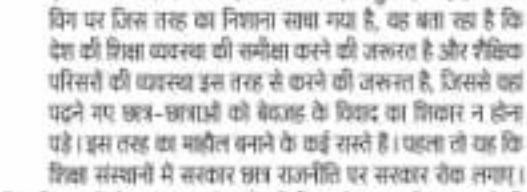



नागरिकता संशोधन कानून को लेकर देश भर में मचे बवाल के बीच ऐसी अनिश्चितता की स्थिति बनती जा रही है, जिसमें यह कह पाना कठिन है कि कौन सही है और कौन गलत। अभी कुछ दिनों पहले देश के 100 से ज्यादा पूर्व नौकरशाहों ने खुला पत्र लिखकर यह कहा था कि देश को सीएए व एनआरसी की जरूरत नहीं है। सरकार आर्थिक हालात को सुधारने पर ही ध्यान लगाए। नौकरशाहों के इस पत्र को सरकार के विरोध के स्वरूप लिया गया था। अब देश के 208 अकादमिक विद्वानों ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि लेफ्ट विंग के लोग शिक्षा के माहौल को खराब रहे हैं। स्टूडेंट पॉलिटिक्स के नाम पर वामपंथी अजेंडे को आगे बढ़ाया जा रहा है। हाल में ही जेएनयू से जामिया औ एएमयू से जाधवपुर यूनिवर्सिटी तक में सामने आए घटनाक्रम से पता चलता है किस तरह से अकादमिक माहौल को खराब किया जा रहा है। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों और जेएनयू में हुई हिंसा के बाद लिखे गए इस पत्र को अकादमिक जगत में समर्थन जुटाने की कोशिश माना जा रहा है।

अभी ताजा पत्र के मजमून को देखें तो पत्र लिखने वाले लोगों में कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर भी शामिल हैं। पत्र में लिखा गया है कि लेफ्ट विंग के ऐक्टिविस्ट्स की मंडली देश में अकादमिक माहौल को खराब करने में जुटी है। पत्र को लिखने वालों में हरि सिंह गौर यूनिवर्सिटी के कुलपति आरपी तिवारी, साउथ बिहार सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति एचसीएस राठौर और सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के वीसी शिरीष कुलकर्णी हैं। शिक्षण संस्थानों में लेफ्ट विंग की अराजकता के खिलाफ बयान शीर्षक से लिखे गए पत्र में कुल 208 अकादमिक विद्वानों के हस्ताक्षर हैं। शिक्षाविदों के इस पत्र के बाद देश में नए किस्म की बहस शुरू हो गई है। लेफ्ट विंग पर जिस तरह का निशाना साधा गया है, वह बता रहा है कि देश की शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की जरूरत है और शैक्षिक परिसरों की व्यवस्था इस तरह से करने की जरूरत है, जिससे वहां पढ़ने गए छात्र-छात्राओं को बेवजह के विवाद का शिकार न होना पड़े। इस तरह का माहौल बनाने के कई रास्ते हैं। पहला तो यह कि शिक्षा संस्थानों में सरकार छात्र राजनीति पर सरकार रोक लगाए।

विश्वविद्यालयों में चुनाव कराने व नेतागिरी करने का मार्ग सरकार ने ही तैयार किया है। जब वहां राजनीति खत्म होगी तो सब अपने आप ही ठीक हो जाएगा। वैसे भी राजनीति करने के लिए पूरा देश पड़ा है, सैकड़ों की संख्या में राजनीतिक दल हैं। जो जिसे चाहे अपना सकता है। दूसरा रास्ता यह हो सकता है कि कॉलेजों में आने वाले छात्रों से बॉन्ड भरवाया जाए कि वे राजनीति नहीं करेंगे और ऐसी कोई हरकत नहीं करेंगे, जिससे किसी समुदाय या धर्म को ठेस पहुंचे। इससे कुछ अंकुश तो लगेगा। कैंपस की राजनीति में कटुता का माहौल बना है, उसने शिक्षा के मायनों को ही बदल दिया है।

# छात्र आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं

**नेशनल** क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने देश में आत्महत्या के जो आंकड़े जारी किए हैं, वे चिंताजनक हैं। किसी भी समाज और देश के लिए यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। कोई भी शख्स आत्महत्या को आखिरी विकल्प क्यों मान रहा है? नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश में आत्महत्या के मामलों में 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और औसतन देश में हर दो घंटे में तीन लोग जान दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 में कुल एक लाख 34 हजार 516 लोगों ने खुदकुशी की, जो 2017 के एक लाख 29 हजार 887 आत्महत्या के मामलों के मुकाबले 3.6 फीसदी अधिक है। आत्महत्या के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र 17 हजार 972 में दर्ज किए गए। दूसरे स्थान पर तमिलनाडु 13 हजार 896 है और तीसरे पर पश्चिम बंगाल 13 हजार 255 है। इसके बाद मध्य प्रदेश 11 हजार 775 और कर्नाटक 11 हजार 561 है।

इन पांच राज्यों में ही लगभग 51 फीसदी आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए। राजधानी दिल्ली में दो हजार 526 खुदकुशी के मामले दर्ज किए गए। लेकिन सबसे चिंताजनक बात यह है कि देश में छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। 2018 के आंकड़ों से स्टूडेंट्स की आत्महत्या को लेकर बेहद चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। 2018 में लगभग 10 हजार 159 छात्रों ने जान दी है। इनमें से एक चौथाई ने इम्तिहान में फेल होने के डर से आत्महत्या की। प्रेम में नाकामी, उच्च-शिक्षा के मामले में आर्थिक समस्या, प्लेसमेंट न मिलना और बेरोजगारी भी छात्रों की आत्महत्या की प्रमुख वजह के रूप में सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक एक दशक में लगभग 82 हजार छात्रों ने आत्महत्या जैसा अतिरेक कदम उठाया है। महाराष्ट्र में 1448 छात्रों के आत्महत्या के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं।

इसके बाद तमिलनाडु 953, मध्य प्रदेश 862, कर्नाटक 755 और पश्चिम बंगाल 609 से छात्र आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। छात्रों की आत्महत्या के 45 फीसदी मामले इन्हीं पांच राज्यों से हैं। जब भी देश में बोर्ड के नतीजे आते हैं और कई बच्चों के आत्महत्या करने की दुखद खबरें सामने आती हैं। ये खबरें साल-दर-साल आ रही हैं। इस समस्या का कोई हल निकलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। दरअसल, मौजूदा दौर की गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता की असीमित अपेक्षाओं के कारण बच्चों को जीवन में भारी मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बेटियां तो और



नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार 2018 में किसानों से ज्यादा बेरोजगारों ने आत्महत्या की। 2018 में 12 हजार 936 लोगों ने बेरोजगारी के कारण आत्महत्या की। इसी अवधि में कुल 10 हजार 349 किसानों ने आत्महत्या की। किसी भी समाज और देश के लिए यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। कोई भी शख्स आत्महत्या को आखिरी विकल्प क्यों मान रहा है? इस पर आज पूरे देश को मंथन करने की जरूरत है।

भावुक होती हैं। दूसरी ओर माता-पिता के साथ संवादहीनता बढ़ रही है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां बच्चे परिवार, स्कूल और कोचिंग में तालमेल स्थापित नहीं कर पाते हैं और तनाव का शिकार हो जाते हैं। हमारी व्यवस्था ने उनके जीवन में अब सिर्फ पढ़ाई को ही रख छोड़ा है।

रही-सही कसर मोबाइल ने पूरी कर दी है। दूसरी ओर माता-पिता के पास वक्त ही नहीं है, उनकी अपनी समस्याएं हैं। नौकरी व कारोबार की व्यस्तताएं हैं, उसका तनाव है। जहां पर मां नौकरीपेशा है, वहां संवादहीनता की स्थिति और गंभीर है। एक और वजह है। भारत में परंपरागत संयुक्त परिवार का ताना-बाना टूटता जा रहा है। परिवार एकाकी हो गए हैं और नई व्यवस्था में बच्चों को बाबा-दादी, नाना-नानी का सहारा नहीं मिल पाता है, जबकि कठिन वक्त में उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। यही वजह है कि अनेक बच्चे आत्महत्या जैसे अतिरेक कदम उठा लेते हैं। परीक्षा परिणामों के बाद हर साल अखबार मुहिम चलाते हैं। बोर्ड और सामाजिक संगठन हेल्प लाइन चलाते हैं, लेकिन छात्र-छात्राओं की आत्महत्या के मामले रुक नहीं रहे हैं। जाहिर है कि ये प्रयास नाकाफी हैं।

बच्चे संघर्ष करने के बजाय हार मान कर आत्महत्या का सहज रास्ता चुन ले रहे हैं। माता-पिता और शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि वे लगातार बच्चों को यह समझाएं कि परीक्षा परिणाम ही सब कुछ नहीं है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं कि जब इम्तिहान में बेहतर न करने वाले लोगों ने जीवन में सफलता के मुकाम हासिल किए हैं। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कोई बच्चा आत्महत्या को आखिरी विकल्प क्यों मान रहा है। एक और गंभीर तथ्य यह सामने आया है कि बेरोजगारी से आत्महत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है। नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार 2018 में किसानों से ज्यादा बेरोजगारों ने आत्महत्या की। 2018 में 12 हजार 936 लोगों ने बेरोजगारी के कारण आत्महत्या की। इसी अवधि में कुल 10 हजार 349 किसानों ने आत्महत्या की। केरल में 1585, तमिलनाडु में 1579, महाराष्ट्र में 1260, कर्नाटक में 1094 और उत्तर प्रदेश में 902 लोगों ने बेरोजगारी की कारण आत्महत्या की। दूसरी ओर देश में किसानों की आत्महत्या का सिलसिला जारी है। खेती का संकट व्यापक है और इसकी चपेट में अनेक राज्यों के किसान आ गए हैं। यही वजह है कि आर्थिक कारणों से अब तक सैकड़ों किसान आत्महत्या कर चुके हैं। यह सिलसिला अब थोड़ा थमा है। 2018 में 10 हजार 349 किसानों ने आत्महत्या की है।

दरअसल, अवसाद और आत्महत्याएं नए दौर की महामारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। अवसाद ग्रसित कई लोग आत्महत्या जैसा रास्ता चुन लेते हैं। ऐसा नहीं है कि केवल निराशा और अवसाद से पीड़ित भारत में ही हों। सबसे विकसित देश अमेरिका में सबसे अधिक लोग अवसाद से पीड़ित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 7.5 फीसद लोग किसी-न-किसी तरह के मानसिक अवसाद से पीड़ित हैं, लेकिन भारत में अवसाद कोई बीमारी नहीं माना जाता और इसके इलाज पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। इलाज तो दूर पीड़ित व्यक्ति की मदद करने के बजाय लोग उसका उपहास उड़ाते हैं। कई बार तो तो मानसिक रूप से असंतुलित महिला को डायन बता कर मार दिया जाता है। झारखंड में अक्सर मामले सामने आते हैं। बीमारी का इलाज करने के बजाय पढ़े-लिखे लोग भी झाड़ फूंक के चक्कर में फंस जाते हैं।

हमारे पूर्वजों ने वर्षों के अध्ययन और मनन के बाद एक बात कही थी-जितनी चादर है उतने ही पैर फैलाएं, लेकिन हम इस जीवन दर्शन को भूल गए और अब हम उधार लेकर घी पीने के विदेशी चिंतन के मायाजाल में फंस गए हैं। यह सही है कि बाजार की भोगवादी आर्थिक प्रवृत्तियों का संबंध कहीं-न-कहीं हमारी आर्थिक नीतियों से है। यही वजह है कि अनेक लोग अवसाद ग्रस्त हो जाते हैं और आत्महत्या जैसे अतिरेक कदम उठा लेते हैं।

■ आशुतोष चतुर्वेदी
(वरिष्ठ पत्रकार)

# जेलों में आधुनिकीकरण की शुरुआत

**राष्ट्रीय** अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में जेलों की क्षमता से अधिक कैदियों की मौजूदगी समस्या बन गई है। मध्यप्रदेश ने जेलों की इस समस्या का निदान कर लिया है। सरकार ने 10 नई जेल बनाने का निर्णय लिया है। इसके मुताबिक केन्द्रीय जेल इंदौर और सब जेल गाडरवारा, कुक्षी तथा सैलाना एवं खुली जेल रीवा सहित जिला जेल बैतूल, सतना, राजगढ़, सुठालिया और पाटन में नई जेल बनाई जा रही है। राज्य सरकार ने जेलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण लगवाए हैं। अब जेल में ही कैदी कोर्ट रूम में हाजरी लगाकर अपना पक्ष रख सकेंगे। इस व्यवस्था से कैदियों को कोर्ट ले जाने-लाने का खर्च बचेगा और उनकी सुरक्षा की चिंता से भी मुक्ति मिलेगी।

राज्य सरकार ने छिंदवाड़ा में नए जेल कॉम्पलेक्स (संकुल) के निर्माण के लिए करीब 225 करोड़ की मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में पहली बार एक ही संकुल में केंद्रीय जेल, जिला जेल तथा खुली कॉलोनी स्थित होगी। इंदौर में नवीन केंद्रीय जेल के निर्माण की भी सैद्धांतिक सहमति हो गई है। शिवपुरी जेल शुरू हो गयी है और भिंड जेल का कार्य प्रगति पर है। केंद्रीय जेल भोपाल में मार्च-2019 को खुली जेल शुरू की गई। केंद्रीय जेल, नरसिंहपुर परिसर में 20 बंदियों के लिए खुली जेल के निर्माण के लिए सवा दो करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। सरकार सीमा बल, चंडीगढ़, भोपाल स्थित प्रशिक्षण अकादमी में मार्च 2019 से 90 प्रहरियों को छह माह का आधारभूत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समय-समय पर मुख्य प्रहरी/प्रहरी को दस दिवसीय अग्नि प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स क्षेत्रीय जेल प्रबंधन शोध संस्थान, भोपाल में दिया जाता है। जेलों के प्रमुखों का दो दिवसीय सम्मेलन पहली बार दिल्ली से बाहर केन्द्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी भोपाल में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के साथ संयुक्त रूप से किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के महानिदेशक/वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

राज्य सरकार ने प्रदेश की 37 केंद्रीय, जिला एवं सब जेलों में ई-प्रिजन कार्यक्रम शुरू किया है। भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में इस कार्यक्रम के लिये करीब तीन करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए। इस कार्यक्रम में बंदियों का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। प्रदेश की सभी जेलों को राज्य सरकार ने संबंधित न्यायालयों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ दिया है। केंद्रीय जेल भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर एवं बड़वानी की बाउंड्री वॉल पर इलेक्ट्रिक फेंसिंग की गई है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई। प्रदेश की सभी केंद्रीय एवं जिला जेलों की 590 आधुनिक वॉकी-टॉकी सेट्स और 22 बेस सेट से लैस किया गया। इस वित्त वर्ष में प्रदेश की 14 जेलों में 22 वर्कशॉप बैरकों के निर्माण की स्वीकृति दी गई। प्रदेश की केंद्रीय जेलों में अष्टकोण सह वॉच टॉवर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, अत्याधुनिक टॉवर, गार्ड रूम तथा केंद्रीय जेल भोपाल में विशेष सुरक्षा यूनिट अंडा सेल के निर्माण अब पूर्ण हो चुके हैं। जेलों में आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। वर्तमान जेलों में 22 बैरकों का निर्माण और केंद्रीय जेल नरसिंहपुर की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया जा चुका है।

जेल परिसरों की बाउंड्रीवॉल, जिला चिकित्सालयों में जेल वार्ड, बीमार बंदियों के लिए सुरक्षित वाहन और रेंज उप महानिरीक्षक कार्यालयों की स्थापना तथा जेल परिसरों में आवश्यक आवास-गृह निर्मित करने की कार्यवाही भी प्रचलन में है। जेल कर्मियों को पहली बार पुलिस कर्मियों के समान सुविधाएं मिलने लगी हैं। अब उन्हें भी पुलिस की तरह वेतन, भत्ते, अवकाश एवं पदोन्नति के अवसर, एक माह का अतिरिक्त वेतन, पोषण आहार भत्ता सुविधा मिलेगी। इस संबंधी कार्यवाही प्रचलन में है।

■ दुर्गेश तनकवार

# स्पोर्ट्स



## स्मॉग के कारण शारापोवा का मैच बीच में रुका

**मेलबर्न।** कूयोंग क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के दौरान स्मॉग के कारण रूसी स्टार मारिया शारापोवा का मैच बीच में रोक दिया गया। शारापोवा जर्मनी की लाउरा सेगेमंड के खिलाफ मंगलवार को खेल रही थीं। मैच के दौरान उन्होंने खांसी की शिकायत की। स्मॉग के कारण शारापोवा को खेलने में दिक्कत हुई। यह स्मॉग ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के कारण पैदा हुआ है। मैच रोके जाने तक शारापोवा 7-6 (7-4) 5-5 से पीछे चल रही थीं। स्मॉग के कारण मेलबर्न में जारी ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वॉलिफायर मैचों को भी एक दिन के लिए टाल दिया गया। आयोजकों ने कहा कि स्मॉग के कारण हालात खेल के लायक नहीं रह गए थे।

# प्रो लीग में भारत का पहला मुकाबला हॉलैंड से

## इस लीग में पहली बार हिस्सा लेने जा रहा भारत

**भुवनेश्वर (एजेंसी)।** टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर चुका भारत एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पहली बार हिस्सा लेने जा रहा है और उसका पहला मुकाबला 18 और 19 जनवरी को यहां के कलिंग स्टेडियम में होगा। हॉलैंड विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि भारत पांचवें स्थान पर है। हॉलैंड ने पिछले साल प्रो लीग के पहले संस्करण में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि भारतीय टीम इस लीग में पदार्पण करने जा रही है। भारत अपने घरेलू मैच 15000 दर्शकों की क्षमता वाले कलिंग स्टेडियम में खेलेगा।

विश्व की पांचवें नंबर की टीम भारत ने गत वर्ष नवंबर में ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंग स्टेडियम में रूस को आसानी से हराकर टोक्यो ओलंपिक का टिकट पाया था। भारत आठ बार का ओलंपिक चैंपियन है और उसने ओलंपिक में आखिरी बार स्वर्ण पदक 1980 के मॉस्को ओलंपिक में जीता था, लेकिन उसके बाद से भारतीय हॉकी को अपने पहले ओलंपिक पदक का इंतजार है। प्रो लीग की शुरुआत 11 जनवरी से हो गई है और चैंपियन हॉलैंड की महिला टीम ने चीन के जोंग झोउ स्थित युजिन हॉकी स्टेडियम में उद्घाटन मुकाबले में चीन को 11 और 12 जनवरी को क्रमशः 3-0 और 4-2 से हराया था। भारत और हॉलैंड का आखिरी मुकाबला 2018 के विश्व कप में कलिंग स्टेडियम में ही हुआ था और हॉलैंड ने मेजबान भारत को क्वार्टरफाइनल में 2-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। दोनों टीमों के बीच 2013 से पिछले 10 मुकाबलों में हॉलैंड ने पांच और भारत ने चार जीते हैं। जनवरी से जून 2020 के बीच चलने वाली इस प्रो लीग में 144 मैच खेले जाएंगे और दुनिया की श्रेष्ठ पुरुष और महिला टीमें खिताब जीतने का प्रयास करेंगी। इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण 2019 में हुआ था। वर्ष 2020 का संस्करण टोक्यो ओलंपिक को देखते हुए खासा महत्वपूर्ण हो गया है। 11 देशों में 20 स्थल प्रो लीग के मैचों की मेजबानी करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि प्रो लीग में हिस्सा ले रही 18 टीमों में से 16 टीमें इस साल के टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने जा रही हैं और इन सभी टीमों को अपनी ओलंपिक तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिलेगा। इस बार पहले संस्करण के मुकाबले कुछ परिवर्तन किया गया है।

## बेहतर कल के लिए रिद्धिमान साहा ने एनसीए को चुना

**बेंगलुरु।** चोट से वापसी के लिए भारतीय टेस्ट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिद्धिमान साहा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास कर रहे हैं। साहा ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी और एनसीए को बेहतर कल के लिए मजबूत बताया। साहा ने अपनी एक फोटो ट्वीट करते हुए लिखा है, बेहतर कल के लिए, मैं एनसीए बेंगलुरु में हूं। साहा भारतीय टीम के न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें इंडिया-ए टीम में चुना गया है। साहा को भारत के पहले डे-नाइट टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ उंगली में चोट लग गई थी। इससे ठीक होने के लिए वह एनसीए गए हैं। साहा के 21 फरवरी से पहले तक पूरी तरह से फिट होने की संभावना है।

## ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर दर्ज की सबसे बड़ी जीत

# कंगारुओं के खिलाफ रिकॉर्ड हार




### बिना विकेट गंवाए यह दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल

वनडे में बिना विकेट गंवाए यह दूसरा सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले 2017 में दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला और क्विंटन डीकॉक ने बांग्लादेश के खिलाफ 279 रन का लक्ष्य हासिल किया था। 2016 में इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स और जेसन रॉय ने श्रीलंका के खिलाफ 255 रन बनाए थे।

### भारत 15 साल बाद 10 विकेट से हारा

| साल | किसके खिलाफ | लक्ष्य | जगह |
|---|---|---|---|
| 2020 | ऑस्ट्रेलिया | 256 | मुंबई |
| 2005 | दक्षिण अफ्रीका | 189 | कोलकाता |
| 2000 | दक्षिण अफ्रीका | 165 | शारजाह |
| 1997 | वेस्टइंडीज | 200 | किंग्सटाउन |
| 1981 | न्यूजीलैंड | 113 | मेलबर्न |

### शिखर धवन वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1000 रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बने

भारतीय ओपनर शिखर धवन ने मंगलवार को एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में 1000 रन पूरे करने वाले 5वें भारतीय खिलाड़ी बन गए। धवन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। बाएं हाथ के बल्लेबाज धवन इस टीम के खिलाफ वनडे में 1000 रन पूरे करने वाले ओवरऑल 32वें खिलाड़ी बने।

### वॉर्नर सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज

वॉर्नर के वनडे में पांच हजार रन पूरे हो गए। सबसे कम पारियों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। वॉर्नर ने 115वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला 101, वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स और कोहली ने 114 पारी लिए थे।

**मुंबई (एजेंसी)।** ओपनरों डेविड वार्नर (नाबाद 128) और आरोन फिंच (नाबाद 110) के जबरदस्त शतकों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले वनडे में मंगलवार को पहली बार 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। विश्व क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों की टक्कर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को खेल के हर विभाग में पछाड़ दिया और अपने एकदिवसीय इतिहास में भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने हालांकि 49.1 ओवर में 255 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन दोनों ऑस्ट्रेलियाई ओपनरों ने इसे बौना साबित कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 37.4 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 258 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया अपने वनडे इतिहास में पांचवीं बार वनडे मैच 10 विकेट से जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले वेस्टइंडीज को 2001 में, इंग्लैंड को 2003 में, बांग्लादेश को 2005 में और बांग्लादेश को 2007 में 10 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से भारत को दिखा दिया कि उसे अभी काफी मेहनत करने की जरूरत है। भारत को इस तरह वानखेड़े में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की भारत में यह लगातार चौथी जीत है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2003 और 2006 के बीच भारत में लगातार चार वनडे जीतने का कारनामा किया था। भारतीय टीम अपने घरेलू सत्र में दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और श्रीलंका से सीरीज जीतने के बाद यह सीरीज खेल रही थी लेकिन मेहमान गेंदबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में रंग दिखा दिया। वहीं भारत को अपने वनडे इतिहास में पांचवीं बार 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने रोहित शर्मा (10) को जल्दी गंवाया लेकिन धवन (74) और तीसरे नंबर पर उतरे लोकेश राहुल (47) ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की मजबूत साझेदारी की।

### वार्नर और फिंच की रिकॉर्ड साझेदारी

वार्नर और फिंच ने 258 रन की ओपनिंग साझेदारी कर भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का नया रिकॉर्ड बनाया। इन दोनों ने इससे पहले 2016 में जार्ज बेली और स्टीवन स्मिथ के तीसरे विकेट के लिए बनाए गए 242 रन की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ा। 2000 में दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और गैरी कर्स्टन ने पहले विकेट के लिए भारत के खिलाफ 235 रन की साझेदारी की थी। वनडे में किसी भी विकेट के लिए यह सबसे बड़ी साझेदारी है। यह साझेदारी ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले 2017 में न्यूजीलैंड के रॉस टेलर और टॉम लाथम ने चौथे विकेट के लिए भारत के खिलाफ 200 रन की साझेदारी की थी। उससे पहले 2015 में फाफ डुप्लेसिस और एबी डिविलियर्स ने तीसरे विकेट के लिए 2015 में नाबाद 164 रन जोड़े थे। वार्नर ने 112 गेंदों पर नाबाद 128 रन में 17 चौके और तीन छक्के लगाए।

## प्रभात का दोहरा प्रदर्शन, नवदुनिया 47 रनों से जीती

**भोपाल।** प्रभात शुक्ला और हेमंत जोशी के दोहरे प्रदर्शन की मदद से नवदुनिया ने पत्रिका को 44 रनों से हराकर 25वें आईईएस यूनिवर्सिटी- डिजिआना इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट दूसरी जीत दर्ज की है। दिन के एक अन्य मैच में खेल संदेश ने आरबनटीयू को 12 रनों से हरा दिया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर मंगलवार को पहले मैच में नवदुनिया ने टास जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 142 रन बनाए। इसमें हेमंत जोशी ने 45, दिगंबर ने 29, कप्तान प्रभात शुक्ला ने 18 और पूर्व कप्तान ललित कटारिया ने 15 रन बनाए। मुकेश विश्वकर्मा और अनिल सक्सेना ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में पत्रिका 17.2 ओवर में 98 रनों पर आउट हो गई। नौमिक खान ने 38 और राहुल ने 27 रन बनाए। प्रभात शुक्ला और सत्येंद्र श्रीवास्तव ने 3-3 विकेट लिए। हेमंत जोशी और हर्ष को एक-एक विकेट मिले। प्रभात और हेमंत संयुक्त मैन ऑफ द मैच चुने गए। उन्हें आईईएस यूनिवर्सिटी के डीन अकेडमिक्स डॉ आरती महेश्वरी ने पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में खेल संदेश ने पहले खेलते हुए 15 ओवर में 113 रन बनाए। इसमें जीतेंद्र ने 40 और पंकज ने 47 रन बनाए। आरएनटीयू की ओर से आकाश ने तीन विकेट लिए। जवाब में आरएनटीयू 13 ओवर में 101 रनों पर आउट हो गई। उसकी ओर से सुनील ने 24 रन बनाए। पंकज ने चार विकेट लिए। वह मैन ऑफ द मैच रहे। आज राज एक्सप्रेस और एनडीटी के बीच सुबह 9 बजे से मुकाबला खेला जाएगा।

## बार्सिलोना ने कोच वेलवर्डे को किया बर्खास्त

**मैड्रिड।** स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने अपने मुख्य कोच एर्नेस्टो वेलवर्डे को बर्खास्त कर दिया है और उनकी जगह रियल बेटिस के पूर्व कोच क्विके सेटिन को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। बार्सिलोना ने मंगलवार को एक बयान में कहा, एफसी बार्सिलोना और एर्नेस्टो वेलवर्डे अनुबंध को खत्म करने पर सहमत हो गए हैं। टीम ने आगे कहा, जून 2022 तक फर्स्ट टीम का कोच बनने के लिए उनके और क्विके सेटिन के बीच आपसी सहमति बन गई है। बार्सा परिवार के लिए लगातार सकारात्मक सोच, प्रतिबद्धता और लगाव के लिए हम एर्नेस्टो वेलवर्डे को धन्यवाद कहना चाहते हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। वेलवर्डे के कोचिंग में बार्सिलोना ने 165 आधिकारिक मैच खेले हैं, जिसमें उसने 108 जीते हैं, 35 ड्रॉ खेले हैं और 20 में उसे हार मिली है। वेलवर्डे के मार्गदर्शन में बार्सिलोना ने लगातार दो बार 2018 और 2019 में ला-लीगा का खिताब जीता था। 61 वर्षीय स्पेनिश सेटिन ने रियल बेटिस के लिए सिडनीनल के रूप में 12 सीजन खेले थे। वह अब तक छह क्लबों को कोचिंग दे चुके हैं।

## आंध्र ने हैदराबाद को पारी और 96 रन से हराया

**ओंगोल।** केवी शिवकुमार पांच विकेट की शानदार गेंदबाजी से आंध्र ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए के मुकाबले में मंगलवार को चौथे दिन हैदराबाद की दूसरी पारी को 168 रन पर समेट कर पारी और 96 रन से जीत दर्ज की। तेलुगु टीमों के बीच हुए इस मैच में आंध्र को सात अंक मिले। हैदराबाद की पहली पारी में 225 रन के जवाब में आंध्र ने आठ विकेट पर 489 रन बना पारी घोषित की थी। मैच के आखिरी दिन हैदराबाद ने दूसरी पारी तीन विकेट पर 45 रन से आगे से शुरू की। उस समय टीम को पारी की हार से बचने के लिए 219 रन और बनाने थे।

## न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय महिला हॉकी टीम की अगुवाई करेंगी रानी

**नई दिल्ली।** स्टार स्ट्राइकर रानी रामपाल 25 जनवरी से ऑकलैंड से शुरू हो रहे भारतीय महिला हॉकी टीम के न्यूजीलैंड दौरे पर 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को टीम की घोषणा की। गोलकीपर सविता भारतीय टीम की उपकप्तान होंगी। दौरे पर पहला मैच 25 जनवरी को न्यूजीलैंड की युवा टीम से खेलना है। इसके बाद 27 और 29 जनवरी को न्यूजीलैंड टीम से मुकाबले होंगे। भारतीय टीम चार फरवरी को ब्रिटेन से भी खेलेगी। यहीं दौरे का आखिरी मैच पांच फरवरी को न्यूजीलैंड से खेलना है। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, मैं इस दौरे का इस्तेमाल टीम के भीतर अधिक प्रतिस्पर्धा पैदा करने के लिए करूंगा। हम 20 खिलाड़ियों को लेकर जा रहे हैं लेकिन कुछ मैचों में 16 खिलाड़ियों को ही उतारेंगे क्योंकि ओलंपिक में 16 सदस्यीय टीम ही होती है।

**टीम :** रानी रामपाल (कप्तान), सविता, रजनी ई, दीप ग्रेस इक्का, गुरजीत कौर, रीना खोखर, सलीमा टेटे, सुशीला चानू, निशा, नमिता टोप्पो, उदिता, मोनिका, लिलिमा मिंज, नेहा, सोनिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर

## प्रजनेश ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वॉलीफायर्स के दूसरे दौर में

### हैरी बाउरचियर को 6-2, 6-4 से हराया

**मेलबर्न।** प्रजनेश गुणेश्वरन ने मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वॉलीफायर्स के दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि रामकुमार रामनाथन पहला सेट जीतने के बावजूद हारकर बाहर हो गए। प्रजनेश ने स्थानीय खिलाड़ी हैरी बाउरचियर को 6-2, 6-4 से हराया। दूसरे दौर में उनका मुकाबला जर्मनी के यानिक हांफमैन से होगा। रामकुमार ने अर्जेंटीना के 15वीं वरीयता प्राप्त फेडरिको कोरिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत बना रखी थी लेकिन अखिर में उन्हें 6-4, 4-6, 1-6 से हार झेलनी पड़ी। महिला क्वॉलीफायर्स में भारत की एकमात्र खिलाड़ी अंकिता रैना बुल्गारिया की विक्टोरिया तोमोवा से 2-6, 6-7(2) से हार गईं।

## मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का स्वर्णिम प्रदर्शन जारी

### खेलो इंडिया गेम्स: सुनील डाबर और अनुषा ने जीते स्वर्ण पदक

**भोपाल।** खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने चौथे दिन आज भी शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश को दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य सहित नौ पदक मध्य प्रदेश को दिलाए हैं। इनमें मिलाकर मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अब तक 9 स्वर्ण, 8 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 26 पदक अर्जित किए हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत आज एथलेटिक्स में अंडर-21 बालक वर्ग की 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा में एथलेटिक्स अकादमी के प्रतिभावान धावक सुनील डाबर ने 3.54.75 मि./से. का समय लेकर नया मीट रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक मध्यप्रदेश को दिलाया। बालक वर्ग अंडर-17 में अकादमी के खिलाड़ी अर्जुन वास्कले ने 3.56.49 तथा अभिषेक ठाकुर ने 3.57.94 मि./से. का समय लेकर क्रमशः रजत और कांस्य पदक अर्जित किए। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में सुनील डाबर ने 1 स्वर्ण, 1 रजत, अर्जुन वास्कले ने 1 स्वर्ण, 1 रजत तथा अभिषेक ठाकुर ने 2 कांस्य पदक मध्यप्रदेश को दिलाए हैं। मध्य प्रदेश के एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 14 पदक अर्जित किए हैं। जिसमें से 4 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य सहित 11 पदक अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा अर्जित किए गए हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आज एथलेटिक्स के मुकाबले समाप्त हो गए। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत टेबल टेनिस के फाइनल मुकाबले में अनुषा कुटुम्बले ने महाराष्ट्र की खिलाड़ी को 4-0 (11-4, 11-9, 11-5, 11-3) से शिकस्त देकर मध्यप्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खेले गए शॉटगन स्कीट शूटिंग अंडर-21 बालक वर्ग के मुकाबले में अकादमी के खिलाड़ी रितुराज बुंदेला ने रजत तथा अर्जुन ठाकुर ने कांस्य पदक अर्जित किया। अंडर-17 एयर राइफल में इंदौर (म.प्र.) की खिलाड़ी अश्विका गुप्ता ने रजत पदक मध्यप्रदेश को दिलाया। इसी तरह जूडो प्रतियोगिता के अंडर-21 बालक वर्ग में शुभम राजपूत ने -90 किलोग्राम भारवर्ग में रजत तथा अंकित ने -78 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक अर्जित किया।

## इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में साइना और सिंधु हो सकती हैं आमने-सामने

### पुरुषों में किदांबी श्रीकांत शेसार हिरेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे



**जकार्ता।** ओलंपिक पदकधारी पीवी सिंधु और साइना नेहवाल मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में एक दूसरे के आमने-सामने हो सकती हैं। विश्व चैंपियन सिंधु और पूर्व चैंपियन साइना ने मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट क्वार्टर फाइनल में बाहर होकर सत्र की शुरुआत की थी। दोनों खिलाड़ियों अगर पहले दौर में जीत दर्ज करती हैं तो दूसरे दौर में उनका मुकाबला हो सकता है। भारत की दोनों शीर्ष महिला खिलाड़ियों ने अब तक खिताब जीता है जो अपने प्रदर्शन में और सुधार करना चाहेंगी। मलेशिया मास्टर्स के क्वॉर्टर फाइनल में सिंधु को ताई जू यिंग जबकि साइना को स्पेन की ओलंपिक चैंपियन कैरोलिना मारिन से पराजय का सामना करना पड़ा था। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु जापान की आया ओहोरी के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेंगी। सिंधु ने पिछले सप्ताह ओहोरी को दूसरे दौर के मुकाबले में हराया था। साइना का सामना भी एक जापानी खिलाड़ी से ही होगा। सुपरसीरी दौर में उन्हें सायाका ताकाहाशी की चुनौती का पार पाना होगा। दोनों भारतीय खिलाड़ियों को अपने पहले मुकाबले में जीत की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ये दूसरे दौर में एक दूसरे के आमने सामने होंगी। ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधु का साइना के खिलाफ पांच मुकाबलों में रिकॉर्ड 1-3 से भारी है। सिंधु ने प्रीमियर बैडमिंटन लीग के मैचों में बढ़ रहा साइना को हराया है लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में वह अपनी हमवतन खिलाड़ी के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। भारतीय पुरुषों में शीर्ष वरीयता प्राप्त के पहले दौर में बाहर होने वाले किदांबी श्रीकांत इंडोनेशिया के शेसार हिरेन के खिलाफ अपने अभियान शुरू करेंगे। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत भी इस सत्र के ओपन में पहली चुनौती पेश करेंगे। यहां पहले दौर में उनके सामने जापान के केंटो मोमोटा की चुनौती होगी।

## लक्ष्य-शुभंकर इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वॉलीफायर्स में हारे

### लक्ष्य को साइनसोमबूंसूक ने 21-13, 21-12 से हराया

**जकार्ता।** भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और शुभंकर डे मंगलवार को शुरू हुए इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के क्वॉलीफाइंग मुकाबले में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले 18 साल के लक्ष्य को थाईलैंड के साइनसोमबूंसूक ने 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-12 से हराया।

पिछले महीने इटली इंटरनेशनल में उपविजेता रहे डे को भी थाईलैंड के ही खिलाड़ी ने हराया। सुप्पन्यु अविहिंगसानोन ने उन्हें 39 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी को 21-16, 21-12 से हराया। महिलाओं के वर्ग में पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के अलावा पुरुषों के वर्ग में किदांबी श्रीकांत, बी साई प्रणीत, एच एस प्रणय, पी कश्यप और समीर वर्मा डीडबल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के मुख्य दौर में अपने अभियान का आगाज करेंगे।

## मुर्तजा ने खुद को बीसीबी के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा

**ढाका।** बांग्लादेश के वनडे कप्तान मशरफे मुर्तजा ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपने अनुबंध को खत्म कर दिया है। इससे अब उनके संन्यास लेने की अटकलें तेज हो गई हैं। मुर्तजा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कल तक मैं केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा था लेकिन अब नहीं हूं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने पत्रकारों से कहा कि मशरफे अब अनुबंधित खिलाड़ियों के रूप में अपना अनुबंध आगे जारी नहीं रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। बांग्लादेश के लिए 217 वनडे मैच खेलने वाले मुर्तजा ने हालांकि कहा है कि वह सभी समय तक खेलना जारी रखना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि बीसीबी क्रिकेटरों का मां-बाप है। मुझे बड़ी पार्टी देने के लिए मैं बीसीबी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, लेकिन मुझे इसमें ज्यादा रुचि नहीं है। 36 साल के मुर्तजा ने बांग्लादेश के लिए 36 टेस्ट और 54 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

# सचिव आर.टी.ए.द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली की रवाना



जालंधर/नीरज

लोगों को सड़की सुरक्षा से सम्बन्धित जागरूक करने के लिए शुरू की गई मुहिम के अंतर्गत सचिव रीजनल ट्रांसपोर्ट अथार्टी जालंधर डा.नयन जस्सल की तरफ से आज सड़क सुरक्षा से संबन्धित जागरूकता के लिए जिला प्रशासकी कांपलैक्स से रैली को रवाना किया गया।

दो पहिया वाहनों की यह रैली जिस में सभी महिला चालक शामिल थे बी.एम.सी.चौक और गुरू नानक मिशन चौक से होती हुई नकोदर चौक पहुँच कर समाप्त हुई। इस अवसर पर रैली के दौरान पीले कैंदी महिलाओं की तरफ से हाथों में सड़क सुरक्षा से संबन्धित सलोगन पकड़ कर लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया गया जिससे सड़की दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने वाहन चालकों को न्योता दिया कि वाहन चलाते समय हैलमेट और सीट बैल्ट को जरूर पहना जाये और यातायात के नियमों की सख्ती के साथ पालना की जाये।

सचिव रीजनल ट्रांसपोर्ट अथार्टी ने आशा जताई कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान की जाने वाली गतिविधियों को ज्यादा से ज्यादा लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभायेंगे।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाने वाले लोगों को सड़की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास है।

उन्होंने लोग से अपील की कि यातायात के नियमों की पालना करते हुए दिशा सूचक बोर्डों, वाहन की गति की तरफ विशेष ध्यान दिया जाये और शराब या अन्य कोई नशीले पदार्थ का सेवन करके वाहन ना चलाया जाये।

# प्रधानमंत्री अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र बता दें, हम अपने सारे दस्तावेज दे देंगे- दिग्विजय



इंदौर/ब्यूरो

संभावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ केंद्र सरकार पर हमला करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने बुधवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र दिखा देते हैं, तो देशवासी सरकार को अपने बारे में सारे दस्तावेज मुहैया कराने को तैयार हैं। दिग्विजय ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम तो कहते हैं कि मोदी अपने पिता और माता का जन्म प्रमाणपत्र हमें बता दें, (इसके बाद) हम सब कागज दे देंगे। 72 वर्षीय राज्यसभा सदस्य से एनआरसी विरोधी प्रदर्शनकारियों की इस घोषणा पर प्रतिक्रिया मांगी गयी थी कि अगर देश में राष्ट्रीय नागरिक पंजी बनाने की प्रक्रिया शुरू होती है, तो वे संबंधित सरकारी अधिकारियों को अपने बारे में कोई भी दस्तावेज नहीं दिखायेंगे।

आतंकवाद जैसे गंभीर आरोपों में वांछित विवादास्पद इस्लामी प्रचारक जाकिर नाइक के एक अप्रमाणित दावे को लेकर भी दिग्विजय ने मोदी सरकार पर निशाना साधा। भगोड़े प्रचारक के दावे को लेकर बुधवार को ही कई ट्वीट करने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, नाइक ने वीडियो के जरिये बयान दिया है कि सितंबर 2019 में उसके पास मोदी और (गृह मंत्री) अमित शाह का एक दूत भेजा गया था जिसने उनसे कहा था कि अगर वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के भारत सरकार के कदम का समर्थन करते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लेगी और वह भारत लौट सकते हैं। दिग्विजय ने कहा, जिस जाकिर नाइक को मोदी और शाह ने देशद्रोही करार दिया है, अगर वही शख्स इस तरह का बयान दे रहा है तो उन्हें इसका खंडन करना चाहिये। मेरा प्रश्न है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से नाइक के इस बयान का आज तक खंडन क्यों नहीं किया गया? इस बीच, नाइक के दावे को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ दिग्विजय के हमले पर भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पलटवार किया। विजयवर्गीय ने कहा, मैं मोदी और शाह की टीम का आदमी हूं। लेकिन मुझे इसकी (नाइक के संबंधित दावे की) कोई जानकारी नहीं है। दिग्विजय जबरन अफवाह फैलाकर देश का वातावरण प्रदूषित कर रहे हैं।

# हेनरी द्वारा 5.12 करोड़ की लागत से स्टारम वाटर ड्रेनज प्रोजैक्ट के काम की शुरूआत

## सोढल -प्रीत नगर दोआबा चौक में बरसाती पानी इकट्ठा होने की दशकों पुरानी समस्या से मिलेगी राहत







जालंधर/नीरज

पंजाब के भूतपूर्व कैबीनेट मंत्री श्री अवतार हेनरी ने आज 5.12 करोड़ की लागत से बनने वाले स्टारम वाटर ड्रेनज प्रोजैक्ट का सोढल चौक में शिलान्यास रखा गया।

इस प्रोजैक्ट के पूर्ण होने से विधान सभा क्षेत्र जालंधर उत्तरी के सोढल, प्रीत नगर, दोआबा चौक और अन्यों के साथ लगते क्षेत्रों में दशकों से बरसाती पानी एकत्रित होने की समस्या से राहत मिलेगी।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री हेनरी ने कहा कि 2.50किलोमीटर सीवर लाईन के प्रोजैक्ट (सीवरेज पाईप 12 से 40 इंच के होंगे), पंप स्टेशन और औद्योगिक क्षेत्र से शुरू हो कर धन्ना सिंह कालोनी और दोआबा चौक से पानी को काला संघिया ड्रेन में पाईप के द्वारा डाला जायेगा।

उन्होंने कहा कि लुधियाना की फर्म को इस प्रोजैक्ट का टैंडर दिया गया है जिसको एक साल में पूर्ण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजैक्ट पूर्ण होने से सोढल नगर, प्रीत नगर, औद्योगिक क्षेत्र, चंदन नगर, दोआबा चौक और इन से लगते क्षेत्रों के निवासियों को बड़ा लाभ पहुँचेगा।

उन्होंने कहा की पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की योग्य नेतृत्व और दूरदृष्टि वाली सरकार की तरफ से सभी राज्य के शहरों में बरसाती पानी एकत्रित होने की समस्या का हल करने की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजैक्ट को समय पर पूर्ण करने को विश्वसनीय बनाया जायेगा जिससे आने वाले समय दौरान बरसाती पानी जमा ना हो सके।

राज्य सरकार के सर्पूर्ण विकास की वचनबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि लोगों से किया गया हर वायदा पूरा किया जायेगा।

# बलबीर सिंह सिद्धू ने सरबत सेहत बीमा योजना के अधीन योग्य लाभपात्रियों को कवर करने के लिए विशेष मुहिम चलाने के लिए कहा

चंडीगढ़/ब्यूरो



एस.एस.बी.वाई. (सरबत सेहत बीमा योजना) के हरेक योग्य लाभपात्री के लिए इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं को यकीनी बनाने के मद्देनज़र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने बुधवार को खाद्य एवं सप्लाई, आबकारी और कर, श्रम विभाग और मंडी बोर्ड के साथ मीटिंग की। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने सरबत सेहत बीमा योजना के सभी योग्य लाभपात्रियों को समयबद्ध ढंग से शामिल करने के लिए विशेष मुहिम शुरू करने के लिए कहा जिससे सम्बन्धित विभागों के अधीन आने वाले लाभपात्रियों को आसानी से सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज सेवाएं मिल सकें। उन्होंने लाभपात्रियों के कार्ड बनाने के लिए आई.ई.सी. गतिविधियों में तेज़ी लाने की ज़रूरत और ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि कॉमन सर्विस सैंटरों और सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा अब तक तकरीबन 40,03,435 ई-कार्ड जारी किये गए हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ई-कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिए पेशेवर एजेंसियों के साथ समझौता करके काम सौंपने जा रहा है और यह सम्बन्धित विभागों की ड्यूटी है कि वह राज्य भर में अपने योग्य लाभपात्रियों और उनके पारिवारिक सदस्यों के ई-कार्ड बनाने के लिए कैंपों का प्रबंध करें। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की स्वास्थ्य एजेंसी को ताज़ा आंकड़े भी मुहैया करवाए जाएंगे। उन्होंने खुराक सप्लाई विभाग को हिदायत की कि डिपूओं में ई-कार्ड बनाने के लिए विशेष केंद्र स्थापित किये जाएँ क्योंकि पंजाब सरकार ने राज्य के बीपीएल कार्ड धारकों को सब्सिडी पर राशन बाँटने के लिए चिप वाले स्मार्ट राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू की है। स्वास्थ्य मंत्री ने पंजाब मंडी बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि वह मार्केट कमेटियों में कैंप लगाएं जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि अधिक से अधिक मध्यवर्गीय किसान हर साल प्रति परिवार 5 लाख रुपए के कैशलैस स्वास्थ्य बीमे का लाभ ले सकें। उन्होंने आबकारी और कर विभाग को बीमा योजना के अधीन आने वाले चालीस हज़ार छोटे व्यापारियों के लिए जागरूकता मुहिम शुरू करने के लिए भी कहा। उन्होंने दोहराया कि कैप्टन के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पंजाब के लोगों को उनके घर के द्वार तक मानक स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए वचनबद्ध है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस योजना के अंतर्गत 30 और अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है।

मीटिंग में सरबत सेहत बीमा योजना की मौजूदा स्थिति का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभागों के सामूहिक यत्नों से 133.32 करोड़ रुपए की लागत के साथ कुल 1,1,3202 मरीज़ों को मुफ़्त इलाज सेवाएं मुहैया करवाई गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि 1986 से अधिक दिल की सर्जरियां, 2598 जोड़ों के ऑपरेशन, 16180 डायलिसिस करवाए गए, जबकि 1860 कैंसर के मरीज़ों को इलाज सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

मीटिंग के दौरान अन्यों के अलावा सरबत सेहत बीमा योजना के सी.ई.ओ. कुमार राहुल, खाद्य एवं सप्लाई विभाग के डायरैक्टर अनिंदिता मित्रा, सचिव पंजाब मंडी बोर्ड रवि भगत, आबकारी कर विभाग के संयुक्त कमिश्नर एल.के. जैन, श्रम विभाग के डिप्टी डायरैक्टर जे.पी. सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के ओ.एस.डी. डॉ. बलविन्दर सिंह, सरबत सेहत बीमा योजना के ए.सी.ई.ओ. डॉ. श्वेता मल्हिन्द्रा, डॉ. संजीव जैन और स्वास्थ्य विभाग के अन्य सीनियर अधिकारी शामिल थे।

# धीयां दी लोहड़ी ईएसआई ने बड़ी धूमधाम से मनाई

जालंधर/नीरज

पंजाबियों के लिए लोहड़ी खास महत्व रखती है। लोहड़ी से कुछ दिन पहले से ही छोटे बच्चे लोहड़ी के गीत गाकर लोहड़ी हेतु लकड़ियां, पैसे, रेवड़ियां, मूंगफली इकट्ठा करने लग जाते है। इस बार ईएसआई डिस्पैंसरी नं 4 और 5, फोकल प्वाइंट जालंधर में लड़कियों को सम्मानित करने और उन्हें आगे बढ़ने को प्रेरित करने के लिए धीयां दी लोहड़ी धूमधाम से मनाई गई। लड़कियों ने लोहड़ी के गीत गाकर व रेवड़ी, गजक, मक्का खाने का आनंद लिया। इस समारोह की मुख्यातिथि डा जसप्रीत कौर सेखों डिप्टी डायरेक्टर हैल्थ एम एस ईएसआई हास्पिटल जालंधर की थी।

इस मौके पर डा रितु मिगलानी, इंचार्ज ईएसआई डिस्पैंसरी नं. 5, डा कुलविंदर कौर इंचार्ज ईएसआई डिस्पैंसरी नं.4, डा गुरकमल और सम्पूर्ण स्टाफ मौजूद था और सभी ने अग्नि के चारों और चक्कर काटते हुए नाचते गाते है व आग में रेवड़ी, मूंगफली, मक्की के दानों की आहुति दी।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

**INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE**

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

**IELTS • PTE • TOEFL**
**SPOKEN ENGLISH**

TOURIST VISA | STUDY VISA | PR
WORK PERMIT | HOLIDAY PACKAGES

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal.
HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com
Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin